भजन

तर्ज–समझौता गमो से कर लो

प्रेम पिया चरणों से कर लो,जिदंगी सुंदर बन जाएगी
चितवन रंग मोहोल का कर लो,याद निजघर की आयेगी
प्रेम पिया चरणों से कर लो

1–अपने आपको अंगना मानो,अपनी परआतम पहचानो
कौन तरफ है तुमरे प्रीतम,कौन सी बैठक तुमरी हो....
सुरता अपनी वहां ले जाओ,आत्म सच्चा सुख पायेगी

2–सतगुरू तुम्हे जगाने आए,वायदा किया निभाने आए
तुम न जागोगी तो कैसे ,जागेगा संसार
जिम्मेदारी गर न निभाई,अंखिया शर्म से झुक जांयेगी